वर्ष : 1, अंक: 107 इंदौर, बुधवार 26 मार्च 2025
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
रणजीत टाइम्स
DIGITAL EDITION

15-20 साल तक किसी का नंबर नहीं लगने वाला हम ही सब कुछ करेंगे: अमित शाह

रंजीत टाइम्स » आदित्य शर्मा

गृह मंत्री ने कहा कि कोरोना 19 जैसी आपदा, बढ़ता शहरीकरण और अनियमित बारिश की आपदा व जलवायु परिवर्तन से आपदाओं का आकार बदल गया है। इससे निपटने के लिए हमें तरीके बदलने पड़ेंगे। हमें इससे निपटने की व्यवस्थाएं बदलनी होंगी। इसके अलावा हमें संस्थाओं का आकार बढ़ाना होगा और उनकी जवाबदेही में तय करनी होगी। अमित शाह ने कहा कि हमें आपदा प्रबंधन संस्थाओं को शक्तियां भी देनी होंगी। उन्होंने कहा कि आज एनडीआरएफ की 16 बटालियन काम कर रही हैं। यह आपको थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन मैं कह सकता हूं कि एनडीआरएफ के भगवा रंग के कपड़े लोगों को यह विश्वास दिलातें हैं कि यह आ गए, अब हम बच जायेंगे। उन्होंने कहा कि वित्त आयोग ने आपदा में सहायता करने के मानदंड तय किए हैं। सहायता किस तरह की जाएगी, किस दर से की जाएगी, यह भी तय किया है। मरने वाले पशु दुधारू है या नहीं, गिरने वाला मकान कच्चा था या पक्का, इस आधार पर सहायता की राशि तय है।

जेकेपीएम और जेकेडीपीएम के अलग होने की सराहना की

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के दो घटकों जम्मू-कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट (जेकेपीएम) और जेएंडके डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट (जेकेडीपीएम) ने अपने सभी संबंध तोड़ने की घोषणा की है। इससे भारत की एकता मजबूत होगी। मोदी सरकार की एकीकरण नीतियों ने जम्मू-कश्मीर से अलगाववाद को खत्म कर दिया है। अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि हुर्रियत से जुड़े दो संगठनों ने अलगाववाद से सभी संबंध तोड़ने की घोषणा की है। मैं भारत की एकता को मजबूत करने की दिशा में इस कदम का स्वागत करता हूं और ऐसे सभी समूहों से आग्रह करता हूं कि वे आगे आएं और अलगाववाद को हमेशा के लिए त्याग दें। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित, शांतिपूर्ण और एकीकृत भारत के निर्माण के दृष्टिकोण की बड़ी जीत है।

लोकसभा से वित्त विधेयक 2025 पारित

वित्त मंत्री सीतारमण ने करदाताओं को राहत देने वाला बताया

रंजीत टाइम्स » आदित्य शर्मा

वित्त विधेयक 2025 मंगलवार को 35 सरकारी संशोधनों के बाद लोकसभा से पारित हो गया। वित्त मंत्री वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस दौरान विधेयक को करदाताओं के लिए अभूतपूर्व कर राहत देने वाला बताया। लोकसभा में बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस विधेयक के जरिए मध्यम वर्ग और व्यवसायों को राहत मिलने की उम्मीद है। लोकसभा ने 35 सरकारी संशोधनों को शामिल करने के बाद वित्त विधेयक 2025 पारित कर दिया। इससे पहले, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त विधेयक 2025 को करदाताओं के लिए अभूतपूर्व कर राहत देने वाला बताया। लोकसभा में बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस विधेयक के जरिए मध्यम वर्ग और व्यवसायों को राहत मिलने की उम्मीद है। इस दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में महत्वपूर्ण कर सुधारों का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय आर्थिक अनिश्चितता को दूर करने के लिए ऑनलाइन विज्ञापनों पर लगने वाला समानीकरण शुल्क समाप्त किया जाएगा। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने बताया कि एक लाख करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान के बावजूद 2025-26 में व्यक्तिगत आयकर संग्रह में 13.14% की वृद्धि का अनुमान यथार्थवादी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया जनसंपर्क विभाग के मोबाइल ऐप का लोकार्पण

सरकार की नीतियों, योजनाओं और समाचारों की त्वरित व सटीक जानकारी सीधे मोबाइल पर होगी प्राप्त

रंजीत टाइम्स » आदित्य शर्मा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में जनसंपर्क विभाग द्वारा विकसित मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया। इस ऐप से प्रदेशवासियों को सरकार की नीतियों, योजनाओं और महत्वपूर्ण समाचारों की त्वरित व सटीक जानकारी सीधे मोबाइल पर ही प्राप्त हो सकेगी। मोबाइल ऐप पर समाचार, फोटो गैलरी, वीडियो गैलरी, मंत्री परिषद के निर्णय, आलेख, विभिन्न विभागों की वेबसाइट के लिंक, जिलों के समाचार तथा मंत्रिमंडल के सदस्यों, कमिश्नर और कलेक्टर की सूची आसानी से प्राप्त हो सकेगी। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े, संचालक जनसम्पर्क श्री अंशुल गुप्ता तथा सोशल मीडिया विशेषज्ञ उपस्थित थे।

आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. खाड़े ने अवगत कराया कि जनसम्पर्क विभाग के पोर्टल mpinfo.org का Android Based मोबाइल ऐप तैयार किया गया है। मोबाइल ऐप में मुख्यमंत्री के लाइव कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण देखा जा सकेगा। मुख्यमंत्री एवं मंत्रीगण से जुड़े समाचार सिंगल क्लिक पर ऐप में उपलब्ध होंगे। ऐप पर स्क्रीन रीडर की भी सुविधा दी गई है, जिससे यूजर आसानी से समाचार सुन सकेंगे। उन्होंने बताया कि ऐप में वॉइस सर्च की सुविधा दी गई हे, जिससे यूजर आसानी से आवश्यकता अनुसार कंटेंट सर्च कर सकते हैं। ऐप पर व्हाट्सऐप एवं अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर शेयर करने की लिंक भी दी गई है, इससे सुगमता से कंटेट को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर शेयर किया जा सकेगा। मोबाइल ऐप पर पुश नोटिफिकेशन की सुविधा भी दी गई है, इसके माध्यम से समाचार को सभी यूजर्स तक पुश किया जा सकता है।

मुसलमानों को 'ईदी' बांटेगी बीजेपी

- 'सौगात-ए-मोदी' किट में मिलेगा त्योहार का पूरा सामान

- ईद से पहले मुसलमानों के लिए बीजेपी का बड़ा अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईद से पहले भारतीय जनता पार्टी गरीब मुसलमानों को तोहफा बांटने का अभियान शुरू कर रही है। बीजेपी के अल्पसंख्यक 'सौगत-ए-मोदी' अभियान चलाकर 32 लाख गरीब मुसलमानों को गिफ्ट देगी। मंगलवार को यह अभियान दिल्ली के निजामुद्दीन से शुरू होगा। अभियान की निगरानी बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे। बीजेपी का कहना है कि गरीब मुसलमान भी शान से ईद मना सकें, इसके लिए उन्हें एक किट गिफ्ट की जाएगी। बीजेपी के 32 हजार कार्यकर्ताओं को यह काम सौंपा गया है। बीजेपी का हर कार्यकर्ता एक मस्जिद की जिम्मेदारी लेगा। इस तरह से देशभर में 32 हजार मस्जिदों को कवर किया जाएगा। इसके बाद गरीब मुसलमानों को ईद से पहले ही गिफ्ट दिया जाएगा। बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि ईद, भारतीय नववर्ष, नौरूज, ईस्टर, गुड फ्राइडे को देखते हुए बीजेपी यह अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि बहुत सारे ऐसे अल्पसंख्यक हैं जो कि अपना त्योहार भी ठीक से नहीं मना पाते हैं। ऐसे में उन्हें बीजेपी 'सौगात-ए-मोदी' पेश करेगी। इसके अलावा जिला स्तर पर ईद मिलन कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। अल्पसंख्यक मोर्चा में राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी यासिर जिलानी ने कहा कि यह अभियान मुस्लिम समुदाय के लिए योजनाओं को प्रमोट करने के लिए चलाया जा सके जिससे कि एनडीए को भी राजनीतिक समर्थन मिले। पवित्र रमजान के महीने में ईद से पहले बीजेपी का यह अभियान बेहद अहम माना जा रहा है।

हुर्रियत के दो गुटों ने छोड़ दिया अलगाववाद

- कश्मीर पर गृहमंत्री अमित शाह का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लंबे समय तक अलगाववाद को बढ़ावा देने वाले हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के दो गुटों ने अलग राह अपना ली है। होम मिनिस्टर अमित शाह ने मंगलवार को ऐलान किया कि हुर्रियत के दो गुटों 'जम्मू कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट' और 'डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट' ने अलगाववाद से नाता तोड़ लिया है। उन्होंने कहा कि मैं इसका स्वागत करता हूं। अमित शाह ने इसका श्रेय पीएम नरेंद्र मोदी की विकास की नीतियों को दिया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में विकास हो रहा है और यह काम सभी को साथ लेकर किया जा रहा है। इससे अलगाववादी गतिविधियों में कमी आई है। गृह मंत्री ने एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा कि अलगाववाद अब कश्मीर में इतिहास की बात हो रहा है। मोदी सरकार की एकीकरण की नीतियों से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद खत्म हो रहा है। अमित शाह ने सोशल मीडिया पर लिखा, हुर्रियत के दो संगठनों 'जम्मू-कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट' और 'डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट' ने अलगाववाद से सभी संबंध तोड़ने की घोषणा की है। मैं भारत की एकता को मजबूत करने की दिशा में अहम इस कदम का स्वागत करता हूं और ऐसे सभी समूहों से आग्रह करता हूं कि वे आगे आएं तथा अलगाववाद को हमेशा के लिए खत्म कर दें।' इसके साथ ही उन्होंने अपील की है कि अन्य अलगाववादी संगठनों को भी सीख लेनी चाहिए और साथ आना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह पीएम नरेंद्र मोदी की विकास, शांति और एक भारत की नीतियों की जीत है। इससे पहले इसी महीने की शुरुआत में केंद्र सरकार ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से जुड़े दो समूहों को बैन किया था। सरकार का कहना है कि ये समूह राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं। इनके चलते जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद बढ़ रहा है और आतंकवादियों को भी मदद मिल रही है। इन संगठनों में मीरवाइज उमर फारुक के नेतृत्व वाला संगठन अवामी ऐक्शन कमेटी और जम्मू-कश्मीर इत्तेहादुल मुसलमीन शामिल है। इत्तेहादुल का नेतृत्व मोहम्मब अब्बास अंसारी करते हैं। होम मिनिस्ट्री ने इन्हें बैन का करने का नोटिफिकेशन जारी करते हुए कहा था कि ये देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए खतरा बन रहे हैं।

- कोलकाता रेप-मर्डर केस

मानसिक तनाव में थी पीड़ित, मांगी थी मदद

- मनोचिकित्सक का दावा-लगातार 36 घंटे ड्यूटी करनी पड़ती थी

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर हॉस्पिटल में रेप और मर्डर केस की पीड़ित ट्रेनी डॉक्टर मानसिक तनाव में थी। मौत के एक महीने पहले उनसे प्रोफेशनल मदद मांगी थी। यह दावा कंसल्टेंट मनोचिकित्सक मोहित रणदीप ने किया है। बंगाली टीवी चैनल के इंटरव्यू में मोहित रणदीप ने दावा किया कि पीड़ित को लगातार 36 घंटे ड्यूटी करनी पड़ी थी। उसके साथ शिफ्ट अलॉटमेंट में भेदभाव होता था। उसने दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में कई गड़बड़ियां देखी थीं। इसके बाद उसे परेशान किया जा रहा था। मनोचिकित्सक ने बताया कि उन्होंने ट्रेनी डॉक्टर को कुछ सलाह दी थी और फॉलो-अप काउंसलिंग के लिए दोबारा आने को कहा था, लेकिन वह नहीं आई। उन्होंने यह भी कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो वे सीबीआई के सामने गवाही देने के लिए तैयार हैं। आरजी कर हॉस्पिटल में 8-9 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था।

9 अगस्त की सुबह डॉक्टर की लाश सेमिनार हॉल में मिली थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने संजय रॉय नाम के सिविक वॉलंटियर को 10 अगस्त को अरेस्ट किया था। इस घटना के बाद कोलकाता समेत देशभर में प्रदर्शन हुए।

बंगाल में 2 महीने से भी ज्यादा समय तक स्वास्थ्य सेवाएं ठप रही थीं। मामले की जांच सीबीआई कर रही है। 222 दिन बाद पीड़ित का डेथ सर्टिफिकेट जारी हुआ घटना के 222 दिन बाद कोलकाता म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन ने पीड़ित का डेथ सर्टिफिकेट जारी किया। 19 मार्च को हेल्थ सेक्रेटरी ने इसे पीड़ित के घर जाकर पेरेंट्स को सौंपा। इससे पहले 23 फरवरी को पीड़ित डॉक्टर के परिवार ने आरोप लगाया था कि कोलकाता नगर निगम डेथ सर्टिफिकेट जारी नहीं कर रही है।

JUSTICE
DELAYED
JUSTICE
DENIED

दिशा सालियान के पिता ने पुलिस में करवाई एफआईआर

- आदित्य ठाकरे, रिया चक्रवर्ती, सूरज पंचोली और डिनो मोरिया का नाम

मुंबई (एजेंसी)। दिशा सालियान की मौत के मामले में शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे के साथ रिया चक्रवर्ती, डिनो मोरिया, सूरज पंचोली सहित अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उनके पिता के वकील ने मंगलवार को ये जानकारी दी है। दिशा, सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर थीं और उनकी मौत से 6 दिन पहले मलाड में 14वीं मंजिल से गिरकर उनकी मौत हो गई थी। इस मर्डर केस में उनके पिता के वकील नीलेश ओझा ने कहा, आज हमने सीपी ऑफिस में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है और जेसीपी क्राइम ने इसे स्वीकार कर लिया है और यह शिकायत अब एफआईआर है... आरोपी हैं आदित्य ठाकरे, डिनो मोरिया, सूरज पंचोली और उनके बॉडीगार्ड, परमबीर सिंह, सचिन वाझे और रिया चक्रवर्ती सभी इस एफआईआर में आरोपी हैं। उन्होंने आगे कहा, परमबीर सिंह इस मामले को कवर अप करने के मुख्य मास्टरमाइंड थे।

ट्रंप के टैरिफ का हल निकालने भारत आई अमेरिकी टीम

- आज से शुरू होगी अहम बैठक, 2 अप्रैल की दी है धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर टैरिफ को लेकर दी गई 2 अप्रैल की समय सीमा से पहले एक अमेरिकी टीम भारत पहुंची है। यह टीम ट्रंप प्रशासन के साथ व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ अहम बैठक करेगी। बैठक कल बुधवार, 26 मार्च से शुरू होने वाली है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के बीच सितंबर-अक्टूबर तक व्यापार समझौते के पहले हिस्से को पूरा करने पर चर्चा होगी। ट्रंप ने हाल ही में भारत पर आयात शुल्क बढ़ाने की धमकी दी थी, जिसके बाद यह कदम उठाया गया है। अमेरिकी टीम का लक्ष्य आपसी व्यापारिक मुद्दों को सुलझाना और टैरिफ विवाद को कम करना है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस वार्ता में समझौते की रूपरेखा और समय-सीमा को तय किया जाएगा, जो दो चरणों में लागू किया जाने की संभावना है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) के दक्षिण और मध्य एशिया मामलों के सहायक प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच के नेतृत्व में एक टीम भारतीय वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल के साथ बैठक करेगी। इस वार्ता का उद्देश्य सितंबर-अक्टूबर तक समझौते के पहले चरण को पूरा करना है। हालांकि वार्ता अभी प्रारंभिक दौर में है, लेकिन पहले चरण में दोनों देशों द्वारा शुल्क (टैरिफ) में कटौती पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारतीय बाजार में लग्जरी कारों, इलेक्ट्रिक वाहनों, व्हिस्की और कृषि उत्पादों पर टैरिफ घटाने का दबाव बना रहे हैं। इस सप्ताह के अंत तक, जब तीन दिवसीय वार्ता समाप्त होगी, तब इस पर अधिक स्पष्टता आने की उम्मीद है। ट्रंप 2 अप्रैल से जवाबी टैरिफ लगाने की समयसीमा तय कर चुके हैं, जिसे वे अब मुक्ति दिवस कह रहे हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका वार्ता के दौरान टैरिफ बढ़ाएगा या नहीं। अमेरिकी दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा, हम भारत सरकार के साथ व्यापार और निवेश मामलों पर चल रही बातचीत को महत्व देते हैं और इन चर्चाओं को रचनात्मक, न्यायसंगत और दूरगामी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाने की उम्मीद करते हैं।

कुणाल कामरा के विवादित टिप्पणी से भड़के शिवसेना के कार्यकर्ता, इंदौर में निगम शौचालय पर लगाए कॉमेडियन के पोस्टर

इंदौर। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को गद्दार जैसे शब्दों से टिप्पणी करने पर कॉमेडियन कुणाल कामरा विवादों में घिर गए हैं। जगह-जगह उनका विरोध हो रहा है। शिवसेना के कार्यकर्ता अपना आक्रोश दिखा रहे हैं। मध्य प्रदेश के इंदौर में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। यहां शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने कुणाल कामरा का पोस्टर नगर निगम के शौचालय में लगाकर विरोध जताया। शिवसेना युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुराग सोनार ने कहा कि जिस तरह से उन्होंने शब्दों का उपयोग किया है उनके मुंह की गंदगी और उनके चेहरे को उसी जगह पर चिपकाया गया है, जहां के वह हकदार है। फिलहाल देखना होगा कि अब यह प्रदर्शन और विवाद कहां जाकर थमेगा। वहीं इसे लेकर अब राजनीति भी काफी गरमा गई है। मामले में तमाम तरह के राजनीतिक बयान भी सामने आ रहे हैं।

यह है पूरा मामला

कॉमेडियन कुणाल कामरा ने मुंबई में आयोजित अपने शो में महाराष्ट्र की राजनीति पर टिप्पणी की थी। एकनाथ शिंदे के दल बदलने को लेकर कामरा ने एक फिल्मी गाने का भी सहारा लिया था। इस विवादित टिप्पणी पर भड़के शिवसेना के युवा कार्यकर्ताओं ने रविवार को मुंबई के खार इलाके में होटल यूनिकॉन्टिनेंटल में तोड़फोड़ की थी। इसी होटल में कामरा के शो की शूटिंग हुई थी।

आवारा कुत्तों पर लगाम लगाने की तैयारी, जनता की मदद से नसबंदी अभियान तेज, इनाम भी मिलेगा

इंदौर। भिखारी मुक्त अभियान के बाद अब प्रशासन शहर में बढ़ती कुत्तों की संख्या और नसबंदी अभियान को प्रभावी बनाने के लिए जनता की मदद लेने जा रहा है इस अभियान के तहत नागरिक अपने क्षेत्र में घूम रहे कुत्तों की जानकारी देकर इनाम भी जीत सकते हैं प्रशासन जल्द ही इस योजना की औपचारिक घोषणा कर सकता है भिक्षुक मुक्त इंदौर अभियान को सफल बनाने के बाद कलेक्टर आशीष सिंह अब आवारा कुत्तों की समस्या पर फोकस कर रहे हैं शहर में हर दिन करीब साढ़े तीन सौ डॉग बाइट के मामले सामने आ रहे हैं हाल ही में कई बच्चों पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया जिससे यह समस्या और गंभीर हो गई है।

इसी को देखते हुए प्रशासन अब जनता की भागीदारी से नसबंदी अभियान को तेज करने जा रहा है। इस योजना के तहत प्रशासन लोगों से उनके इलाके में मौजूद कुत्तों की जानकारी मांगेगा खासतौर पर यह पूछा जाएगा कि उनके क्षेत्र में कितने कुत्ते हैं और उनमें से कितनों के कान कटे हुए हैं कान कटे कुत्ते वे होते हैं जिनकी नसबंदी पहले ही हो चुकी होती है इस जानकारी को देने वालों को प्रशासन की ओर से इनाम भी दिया जाएगा यह इनाम राशि कितनी होगी इस पर जल्द ही फैसला लिया जाएगा, जनता की भागीदारी से इस अभियान को कारगर बनाने की योजना बनाई गई है ताकि कुत्तों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण पाया जा सके और शहरवासियों को राहत मिले कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी को नियंत्रित करना और डॉग बाइट जैसी घटनाओं को कम करना है प्रशासन का मानना है कि जैसे भिखारियों को लेकर जनता ने जानकारी दी और अभियान सफल रहा वैसे ही इस मुहिम में भी जनता की भूमिका अहम होगी। इस योजना को लागू करने के लिए नगर निगम और पशु कल्याण विभाग को भी जिम्मेदारी दी जा रही है नसबंदी अभियान को गति देने के साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी इलाकों में इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग हो ताकि कोई क्षेत्र इस अभियान से अछूता न रहे, प्रशासन की इस नई पहल से उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में इंदौर में आवारा कुत्तों की समस्या पर काबू पाया जा सकेगा और नागरिकों को अधिक सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा।

24 जांबाज़ पुलिसकर्मियों का सम्मान, उत्कृष्ट कार्य के लिए मिली पहचान

इंदौर। शहर की सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित करने की नई पहल शुरू की गई है। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा पुलिसिंग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को हर हफ्ते पुरस्कृत करने का कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस पहल के तहत मंगलवार को पलासिया स्थित पुलिस कमिश्नर कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कुल 24 पुलिसकर्मियों को उनके साहस, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने सम्मानित पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी पुलिसकर्मियों के कार्यों की सराहना की और उन्हें भविष्य में भी इसी तरह निष्ठा से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

ट्रक हादसे में साहसिक बचाव अभियान: थाना तेजाजी नगर क्षेत्र में तड़के 3-4 बजे तेजाजी नगर बायपास ब्रिज पर तीन ट्रकों की भीषण टक्कर हो गई थी। इस दुर्घटना में ड्राइवर और एक महिला हेल्पर बुरी तरह फंस गए थे। साहस दिखाते हुए पुलिसकर्मियों ने राहगीरों और क्रेन की मदद से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला और स्थिति को संभाला। इस अदम्य साहस और सेवा भावना के लिए उनि अविनाश नागर, सउनि मनोज दुबे, प्रआर. संजय चावड़ा, आर. राजेंद्र सिकरवार, प्रवेंद्र यादव, बदन रावत और संदीप पलैया को सम्मानित किया गया। थाना परदेशीपुरा पुलिस ने 255 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक शातिर ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया। इस महत्वपूर्ण सफलता के लिए उनि दीपक जामोद, प्रआर अवतार सिंह, भूपेंद्र भदौरिया और संतोष तिवारी को पुरस्कृत किया गया। 80 लाख की चोरी का खुलासा थाना पलासिया क्षेत्र में हुई लाखों की नगदी और ज्वेलरी चोरी के मामले में पुलिस ने शानदार कार्य किया। प्रआर इमरत यादव ने आरोपियों को गिरफ्तार कर 80 लाख रुपये की नगदी बरामद की। थाना रावजी बाजार के सउनि रमेश भदौरिया ने नाबालिग से छेड़छाड़ और उसके परिजनों के साथ मारपीट के प्रकरण में त्वरित कार्रवाई कर न्याय दिलाया। इस सराहनीय कार्य के लिए उन्हें सम्मानित किया गया।

अवैध हथियार के साथ संदिग्ध को पकड़ा: सहायक पुलिस आयुक्त सराफा कार्यालय में तैनात आर. चालक असलम खान ने इमामबाड़े क्षेत्र में संदिग्ध को अवैध हथियार (चाकू) के साथ गिरफ्तार कर अपराध को रोका। थाना द्वारिकापुरी पुलिस ने मोबाइल झपटमारों को गिरफ्तार कर छीने गए 15 मोबाइल बरामद किए। इस सफलता के लिए आर. पंकज सिंह और आर. संतोष राठौर को सम्मानित किया गया। शहर के पलासिया चौराहे और यशवंत रोड पर बेहतर यातायात व्यवस्था संभालने और अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रआर. मुकेश लश्करी और महिला आरक्षक रेशम को पुरस्कृत किया गया।

इंदौर सिटी बस कंपनी में वेतन संकट, 150 कर्मचारियों को दो महीने से नहीं मिला वेतन

इंदौर। अटल बिहारी वाजपेयी इंदौर सिटी बस कंपनी के हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं कर्मचारियों को दो महीने से वेतन नहीं मिला है जिससे वे बेहद परेशान हैं और उन्हें समझ नहीं आ रहा कि उनका बकाया वेतन कब मिलेगा कंपनी का घाटा पचास करोड़ रुपये तक पहुंच गया है जिससे इसका संचालन मुश्किल होता जा रहा है यह सिटी बस सेवा देश में पहली बार आदर्श मॉडल के रूप में शुरू की गई थी इस सेवा के तहत बीआरटीएस कॉरिडोर पर आई बस शहर में सिटी बस और अन्य शहरों के लिए चार्टर्ड बसों का संचालन किया जाता है इसके बावजूद कंपनी को भारी घाटा हो रहा है। कंपनी के पास आय के कई स्रोत हैं बसों और बीआरटीएस पर विज्ञापन से भी कमाई की जाती है इसके अलावा पार्सल सेवा भी शुरू की गई है बावजूद इसके कंपनी की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है सरकार की ओर से भी सिटी बस कंपनी को समर्थन दिया जाता है नगर निगम बुजुर्गों और विद्यार्थियों को किराए में छूट देने के लिए कंपनी को फंड देता है इंदौर विकास प्राधिकरण भी कंपनी को बस शेल्टर बनाने के लिए जमीन उपलब्ध कराता है फिर भी स्थिति सुधरने का नाम नहीं ले रही कंपनी में काम कर रहे 150 कर्मचारियों को दो महीने से वेतन नहीं मिला है जिससे उनके घरों में आर्थिक संकट गहरा गया है।

महू में बड़ी कार्रवाई- बड़ी संख्या में हटाये गये अतिक्रमण

महू। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में इंदौर जिले के डॉ. अम्बेडकर नगर महू में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी है। इस सिलसिले में एक संयुक्त मुहिम के तहत बड़ी संख्या में अवैध निर्माण हटाये गये। एसडीएम राकेश परमार ने बताया कि अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई केन्ट बोर्ड, पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन के संयुक्त अमले द्वारा की गई। इस दौरान मोती महल सहित आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में अवैध निर्माण हटाये गये। बताया गया कि दुकानों के बाहर यातायात को बाधित करने वाले निर्माण हटाए गये। नालियों पर किये गये अतिक्रमणों को भी हटाया गया। साथ ही मकान के बाहर बगैर अनुमति के बनाये गए अवैध निर्माण भी जमींदोज किये गये। अतिक्रामकों को नोटिस जारी कर स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये गये थे, जिन्होंने अपने अतिक्रमण नहीं हटाये उनके विरूद्ध आज यह कार्रवाई की गई।

वीर सावरकर के पोते रणजीत ने कहा- बांग्लादेशियों का आर्थिक बहिष्कार होना चाहिए

इंदौर। इंदौर में वीर सावरकर की प्रतिमा का अनावरण हुआ। इस मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव के अलावा सावरकर के पोते रणजीत सावरकर भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि हम अपने देश से बांग्लादेशियों को भगा नहीं सकते , लेकिन उनका आर्थिक बहिष्कार होना चाहिए। अब तो वे पहचान छुपाकर रहने लगे है। उनका बहिष्कार होगा तो वे संकट में आएंगे औ देश से उन्हें जाना पड़ेगा। रणजीत ने कहा कि आजादी के समय देश में 8 प्रतिशत मुस्लिम थे, जो अब 22 प्रतिशत हो गए। वर्ष 1970 में बांग्लादेश से एक-डेढ़ करोड़ मुस्लिम देश में आए थे। अब उनकी संख्या भी काफी बढ़ गई है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने कहा कि कई प्रदेशों में हिन्दूवादी सरकार है। कई सीटों पर कम अंतरों से जीत हुई है। वहां अब बांग्लादेशी मुस्लिम को बसाया जा रहा है, ताकि भविष्य में उनके उम्मीदवार जीत सके।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि वीर सावरकर ने अनेक कष्ट सहे। जेल में उन्हें यातनाएं दी गई। देश को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके इतिहास को सही रुपों में समझने की जरुरत है। मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर के प्रगति नगर में जनसहयोग से वीर सावरकर की प्रतिमा लगाई गई है। विधायक मधु वर्मा ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे।

बजरंग दल त्रिशूल दीक्षा कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

रंजीत टाइम्स » मंडलेश्वर

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल का त्रिशूल दीक्षा एवं कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम महेश्वर प्रखंड का हुआ जिसमें महेश्वर प्रखंड की सभी बस्तियां सम्मिलित रही। यह कार्यक्रम पूरे मालवा प्रांत में किया जा रहा है इस निमित्त पूरे महेश्वर प्रखंड में भी संपन्न हुआ। जिसमें सैकड़ों युवाओं ने "मम दीक्षा हिंदू रक्षा मम मंत्र समानता" के भाव से त्रिशूल दीक्षा ली।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मालवा प्रांत संयोजक नितिन पाटीदार ने अपने उद्बोधन में कहा कि त्रिशूल दीक्षा सभी को लेना चाहिए हमारे सभी देवी देवताओं के हाथ में भी अस्त्र-शस्त्र रहते हैं हिंदू धर्म की रक्षा के लिए बहन बेटी की रक्षा के लिए गौ माता की रक्षा के लिए हर घर से बजरंग दल में एक सदस्य और मातृशक्ति दुर्गावाहिनी ने में शामिल होना चाहिए साथ ही बताया गया की आगामी कार्यक्रम 29 मार्च को इंदौर के नेहरू स्टेडियम में बजरंग दल का शौर्य कुंभ कार्यक्रम संपन्न होने जा रहा है। जिसमें पूरे मालवा प्रांत के बजरंग दल कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। आप सभी अपने क्षेत्र से बजरंग दल कार्यकर्ताओ से सम्पर्क कर प्रवेशिका प्राप्त कर कार्यक्रम में सादर आमंत्रित हैं।कार्यक्रम में मंच पर बड़वाह जिला अध्यक्ष रवि गुर्जर, जिला संयोजक बलराम खटीक रहे साथ ही विभाग गौ रक्षा प्रमुख किशोर सिंह ठाकुर,विभाग विशेष संपर्क प्रमुख नानूराम सेन,विभाग सामाजिक समरसता प्रमुख जितेंद्र वर्मा, जिला सह मंत्री मनोज केवट,जिला प्रचार प्रसार प्रमुख परशुराम साठे,जिला मठ मंदिर प्रमुख अनिल बाबा,जिला टोली सदस्य दीपक तोमर,प्रखंड अध्यक्ष दिनेश यादव,प्रखंड मंत्री पीयूष वर्मा,प्रखंड संयोजक लखन राजपूत, बादल वर्मा,युग तोमर,राजवीर कुशवाह,रंजीत सिंह मंडलोई,विक्की मंडलोई,लवकुश मंडलोई,कुलदीप सोलंकी सहित सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक शाम शहिद बादल सिंह चंदेल के नाम

नागदा जं. I अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा नागदा एवं करणी सेना परिवार द्वारा समाज सेविका श्रीमती हेमलता तोमर के नेतृत्व में नागदा के गौरव शहीद बादल सिंह चंदेल की चतुर्थ पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि का कार्यक्रम शिवपुरा कालोनी रतलाम फाटक के पास आयोजित किया गया। जिसमें जिनी म्युज़िकल ग्रुप के कलाकारों एवं लायन अजय गरववल और कु.श्रेया बघेल ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर शहिद बादल सिंह चंदेल को श्रृद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन के उत्कृष्ट कार्यों के लिए जैसे रामचंद्र जनसेवा अस्पताल कर्मी के मर्डर केस का 36 घंटे में खुलासा और सभी सामाजिक त्योहारों और मेला आयोजन का शांतिपूर्ण होना, शहर में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना आदि कार्यों के लिए पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीयों एवं उनकी सहयोगी टीम को प्रशस्ति पत्र कवि सुंदर लाल जोशी द्वारा वाचन कर श्रीमती हेमलता तोमर ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिसमें विशेष रुप से श्री बृजेश श्रीवास्तव (सी.एस.पी) श्री अमृतलाल गवरी(थाना प्रभारी नागदा) श्री जितेन्द्र पाटीदार (थाना प्रभारी बि.ग्राम)श्री मोहनलाल गोयल (राजस्व निरीक्षक) श्रीमती योगिता उपाध्याय (उप निरीक्षक)श्री सुनील बेस(नागदा थाना) श्री सुरेश डांगी (नागदा थाना) श्री यशपाल सिंह (नागदा थाना) श्री गोविन्द सिंह (नागदा थाना) आदि। कार्यक्रम में उपस्थित गुरु जी विवेकानंद जी महाराज का पुष्प माला द्वारा श्रीमती हेमलता तोमर ने स्वागत किया तथा श्री विवेकानंद महाराज ने शहिद बादल सिंह चंदेल के पिता राजेन्द्र सिंह चंदेल, माता श्रीमती उमादेवी चंदेल, पत्नी को शॉल श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया तथा शहिद बादल सिंह चंदेल के पुत्र विवान चंदेल को भी पुष्प माला से श्रीमती हेमलता तोमर तथा करणी सेना परिवार सदस्यों के द्वारा स्वागत कर सम्मानित किया। साथ ही नागदा के ही शहिद बृजेश गुप्ता के भाई दिनेश गुप्ता एवं शहिद कन्हैया लाल सिसोदिया के भाई राजाराम को भी सम्मानित किया गया।

गुरूजी राघवेन्द्र वल्लभ जी, करणी सेना परिवार के सदस्य रविराज सिंह राणावत, सुमेर सिंह सिसौदिया, धर्मेंद्र सिंह डोडिया, मिलेन्द्र सिंह चौहान, वरिष्ठ पत्रकार कैलाश सनोलिया, पप्पी सिसोदिया, विरमदेव पत्रकार, ला.राजेश इन्द्र, ला.अशोक बिसानी और ला.प्रतीक माहेश्वरी का भी पुष्प माला द्वारा स्वागत किया गया। जीनी म्युजिकल ग्रुप के सदस्य कैलाश गांधी, राधाकिशन कदम, जावेद खान, श्रीमती जिनी नेल्सन, श्रीमती मोनिका शेखावत, अजय श्रीवास्तव, रमाकांत मावर और गोवर्धन सोलंकी को भी पुष्प माला एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में शिवपुरा कालोनी के अलावा नागदा के वरिष्ठ नागरिक, पंकज नामदेव (भजन गायक) रजेश चौहान और विजय सिंह लाला एवं महिला समाज सेविका एवं समाजिक कार्यकर्ता श्रीमती मीना अग्रवाल, श्रीमती राधा पांचाल, श्रीमती मंजू शर्मा, श्रीमती उषा सिकरवार आदि ने कार्यक्रम के अंत तक उपस्थित रहकर कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया तथा भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से पूरे प्रांगण को गुंजा दिया।

हेयर सेलुन दुकानदार का बेटा केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग में अधिकारी बना

रंजीत टाइम्स » हाटपिपल्या

नगर में एक छोटी सी हेयर सेलुन की दुकान लगा कर अपना और अपने बच्चों का जीवन यापन करने वाले दिनेश वर्मा ने अपने बेटे रितेश वर्मा को शिक्षित बनाकर इस काबिल खड़ा कर दिया कि आज उनका नाम रोशन करते हुए स्वास्थ्य विभाग केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवा देने के लिए नियुक्ती हुईं है। दिनेश वर्मा ने संघर्ष करते हुए अपने बेटे को डॉक्टर की शिक्षा के लिए देश से बहार चीन डॉक्टर की डिग्री के लिए भेजा। चीन में अपने स्वास्थ्य की शिक्षा पूरी कर अपने देश में । लोगों की सेवा लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मैं चयन होकर मरीजों की सेवा कर रहे हैं। अपनी माता अनिता वर्मा-पिता दिनेश वर्मा के साथ ही गाव एवं नगर का नाम रोशन कर रहे हैं।

डॉ रितेश वर्मा

प्रज्ञा पुराण कथा मानव जीवन के भ्रमों को दूर करती है

रंजीत टाइम्स » कसरावद.

तहसील के ग्राम भनगांव में प्रज्ञा पुराण कथा जारी है। कथा के दूसरे दिन रविवार प्रातः 8:00 बजे से गायत्री यज्ञ शुरू हुआ। इसमें देव पूजन 33 कोटि देवताओं का आवाहन हुआ तत्पश्चात पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में ग्रामीणों ने आहुतियां दी। इस अवसर पर एक बहन का गर्भ पूजन संस्कार हुआ। ग्राम के 20 जोड़ों सहित सैकड़ों महिला पुरूषों ने यज्ञ में भागीदारी की। यज्ञ का संचालन रूपखेड़ा के बलीराम पटेल ने किया। संगीत रवि पटेल ने दिया। तबला वादन सावन पटेल ने किया। कार्यक्रम का संचालन बोरावा के मिश्रीलाल यादव ने किया। यज्ञीय आयोजन में ग्राम के भावनाशील परिजनों का अच्छा सहयोग रहा। सायं 7:30 बजे से प्रज्ञा पुराण कथा का वाचन हुआ। कथा में बलिराम पटेल ने कहा कि गृहस्थ जीवन में परिवार को मिलजुल कर रहना चाहिए। परिवार को एक फूलों के बगीचे जैसा रहना चाहिए जिसमें हर फूल अपनी अपनी सुगंध को समाज में बांटते रहते हैं। इसी प्रकार माता-पिता, दादा-दादी, बच्चे सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारी से काम करें तो ऐसा परिवार धरती का स्वर्ग होता है। बलीराम पटेल ने कहा कि सत्संग में जाने से मनुष्य जीवन की सारी समस्याओं का समाधान हो जाता है। उन्होंने बताया कि प्रज्ञा पुराण कथा मानव जीवन की व्यथा को दूर करने वाली कथा है।

रेलवे अस्पताल में हिंदी बोलने पर इलाज से इनकार!

तमिलनाडु के बाद एमपी में भी दिखा हिंदी विरोध, कर्मचारियों में भारी आक्रोश

शहडोल। देश के दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में जिस तरह से हिंदी का विरोध हो रहा है, अब उसकी आंच मध्य प्रदेश तक पहुंच गई है शहडोल रेलवे अस्पताल में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहां एक डॉक्टर पर आरोप है कि वह हिंदी बोलने वाले मरीजों का इलाज नहीं करते इस गंभीर आरोप के बाद रेलवे कर्मचारी संघ ने कड़ा रुख अपनाया है और अस्पताल की अव्यवस्था तथा डॉक्टरों की कमी को लेकर हड़ताल पर चले गए हैं। रेलवे कर्मचारी संघ का कहना है कि रेलवे अस्पताल में अव्यवस्था चरम पर है डॉक्टरों की भारी कमी के कारण मरीजों को सही इलाज नहीं मिल पा रहा है इसी बीच एक डॉक्टर टी राजेश पर यह आरोप लगा है कि वह हिंदी भाषी मरीजों का इलाज करने से साफ इनकार कर देते हैं यहां तक कि रेल हादसे में गंभीर रूप से घायल मरीजों को भी हिंदी में बात करने पर उलटे पांव लौटा दिया जाता है डॉक्टर का कहना है कि अगर इलाज कराना है तो अंग्रेजी में बोलो वरना इलाज नहीं होगा।

रेलवे अस्पताल में डॉक्टरों की भारी कमी: रेलवे अस्पताल में लगभग दो हजार रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों के इलाज की जिम्मेदारी है लेकिन यहां मात्र दो डॉक्टर उपलब्ध हैं इस कारण मरीजों को इलाज के लिए निजी अस्पतालों में जाना पड़ता है जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है कर्मचारी संघ का कहना है कि अस्पताल की बदहाल स्थिति के कारण कई बार गंभीर मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता जिससे उनकी जान पर बन आती है।

डॉक्टर को हटाने की मांग पर अड़े कर्मचारी

रेलवे कर्मचारियों में इस घटना को लेकर गहरी नाराजगी है और वे हिंदी भाषा का विरोध करने वाले डॉक्टर को तुरंत हटाने की मांग कर रहे हैं कर्मचारियों का कहना है कि यह मामला सिर्फ भाषा का नहीं बल्कि मरीजों की जान से खिलवाड़ करने का भी है उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषी डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

रेलवे कर्मचारी संघ की हड़ताल जारी, जांच के आदेश

इस पूरे मामले को लेकर रेलवे कर्मचारी संघ ने हड़ताल जारी रखी है अस्पताल की अव्यवस्था और डॉक्टरों की मनमानी के खिलाफ प्रदर्शन किया जा रहा है वहीं रेलवे प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर क्या कदम उठाता है और क्या हिंदी विरोधी मानसिकता रखने वाले डॉक्टर के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई होती है या नहीं।

जस्टिस यशवंत वर्मा कैशकांड पर जबलपुर में उबाल- FIR और CBI-ED जांच की मांग

जबलपुर। बहुचर्चित जस्टिस यशवंत वर्मा कैशकांड को लेकर भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। शहर के विभिन्न नागरिक संगठनों ने जस्टिस वर्मा पर स्न.ढ्ढ.क्र दर्ज करने और मामले की जांच CBI तथा श्वष्ठ जैसी स्वतंत्र एजेंसियों से कराने की मांग उठाई है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के मामलों को भी आम नागरिकों की तरह निष्पक्ष एजेंसियों से जांच कराना चाहिए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। इस मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच सहित कई सामाजिक संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) और मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (CJ) को पत्र लिखने का निर्णय लिया है। साथ ही, जजों के लिए 'इन-हाउस इंक्वायरी सिस्टम' को बंद करने की भी मांग उठाई गई है।

न्यायपालिका में पारदर्शिता की जरूरत, हाथों में पोस्टर लेकर किया प्रदर्शन: प्रदर्शनकारियों ने हाथों में पोस्टर लेकर नारेबाजी की और कहा कि अगर आम नागरिकों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच स्वतंत्र एजेंसियां कर सकती हैं, तो जजों के मामलों में यह नियम क्यों नहीं लागू किया जाता? नागरिक संगठनों ने इन-हाउस इंक्वायरी सिस्टम को पक्षपाती करार देते हुए इसकी समाप्ति की मांग की है। इस कैशकांड के बाद जबलपुर सहित देश के कई अन्य राज्यों में भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारी न्यायपालिका में पारदर्शिता और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा। अब देखना होगा कि क्या सुप्रीम कोर्ट और सरकार इस मामले में कोई सख्त कदम उठाती है या नहीं।

रंगमंच की जमीन पर कब्जे का विवाद गहराया!

बजरंग दल और विहिप ने SDM को सौंपा ज्ञापन, 72 घंटे में कार्रवाई नहीं होने पर पाटन बंद की चेतावनी

जबलपुर। जिले में रंगमंच की जमीन के सामने अवैध कब्जे का मामला तूल पकड़ता जा रहा है हिंदूवादी संगठन बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने इस मामले में प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है संगठन ने आरोप लगाया है कि विशेष समुदाय द्वारा इस भूमि पर कब्जा कर अवैध निर्माण किया जा रहा है जिसे तुरंत हटाया जाना चाहिए, बजरंग दल के सुमित ठाकुर ने प्रशासन पर पक्षपात करने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि यदि 72 घंटे के भीतर अवैध निर्माण नहीं हटाया गया तो बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद पाटन नगर को बंद कर देंगे उन्होंने कहा कि प्रशासन की लापरवाही से स्थिति बिगड़ सकती है और अगर कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

प्रशासन पर गंभीर आरोप, निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

संगठन के पदाधिकारियों ने प्रशासन पर विशेष समुदाय को समर्थन देने का आरोप लगाया और कहा कि प्रशासन निष्पक्ष होकर कार्रवाई करे संगठन के अनुसार रंगमंच की जमीन की सुरक्षा और अवैध निर्माण को हटाने के लिए प्रशासन को कड़े कदम उठाने चाहिए इस मामले में पुलिस और प्रशासन ने ज्ञापन लेने के बाद उचित जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया है प्रशासन का कहना है कि मामले की जांच की जाएगी और यदि किसी ने अवैध कब्जा किया है तो उसे हटाया जाएगा अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और क्या विवाद को जल्द सुलझाया जा सकेगा या नहीं।

दमोह में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

गौकशी के आरोपी का घर ध्वस्त, करोड़ों की जमीन अतिक्रमण मुक्त

दमोह। गौकशी के आरोपी के खिलाफ प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करते हुए उसके अवैध निर्माण को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया इस दौरान प्रशासन ने करोड़ों की सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया कार्रवाई के वक्त सीएसपी अभिषेक तिवारी और एसडीएम आरएल बागरी समेत भारी पुलिस बल मौजूद रहा कुछ दिन पहले जिले में गौकशी की घटना सामने आने के बाद हिंदू संगठनों में आक्रोश फैल गया था बाजार बंद का आह्वान किया गया था और पुलिस ने एक आरोपी पर शॉर्ट एनकाउंटर भी किया था इसके बाद प्रशासन ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी।

बुलडोजर की कार्रवाई से मचा हड़कंप

मंगलवार को सीएसपी और एसडीएम की अगुवाई में प्रशासनिक दल सीता बावड़ी क्षेत्र पहुंचा जहां चिन्हित अतिक्रमण को हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई देखते ही देखते बुलडोजर ने अवैध निर्माण को मिट्टी में मिला दिया प्रशासन ने बताया कि करोड़ों की सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है।

गौ हत्या के आरोपियों के अवैध ठिकानों पर
कहर बनकर बरपा, प्रशासन का बुलडोजर

अवैध कब्जों पर लगातार चलेगी कार्रवाई: एसडीएम आरएल बागरी ने कहा कि यह कार्रवाई सिर्फ एक शुरुआत है नगर पालिका द्वारा चिन्हित किए गए अन्य अतिक्रमणों पर भी इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी सीएसपी अभिषेक तिवारी ने कहा कि गौकशी के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी और आगे भी इस तरह के अतिक्रमण हटाए जाएंगे दमोह में प्रशासन का बुलडोजर अभियान जारी,अन्य अवैध कब्जों पर भी जल्द होगी कार्रवाई प्रशासन के इस कदम के बाद शहर में हड़कंप मचा हुआ है लोग लगातार पूछ रहे हैं कि क्या आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी प्रशासन का कहना है कि कानून के दायरे में रहते हुए सभी अवैध कब्जों को हटाया जाएगा।

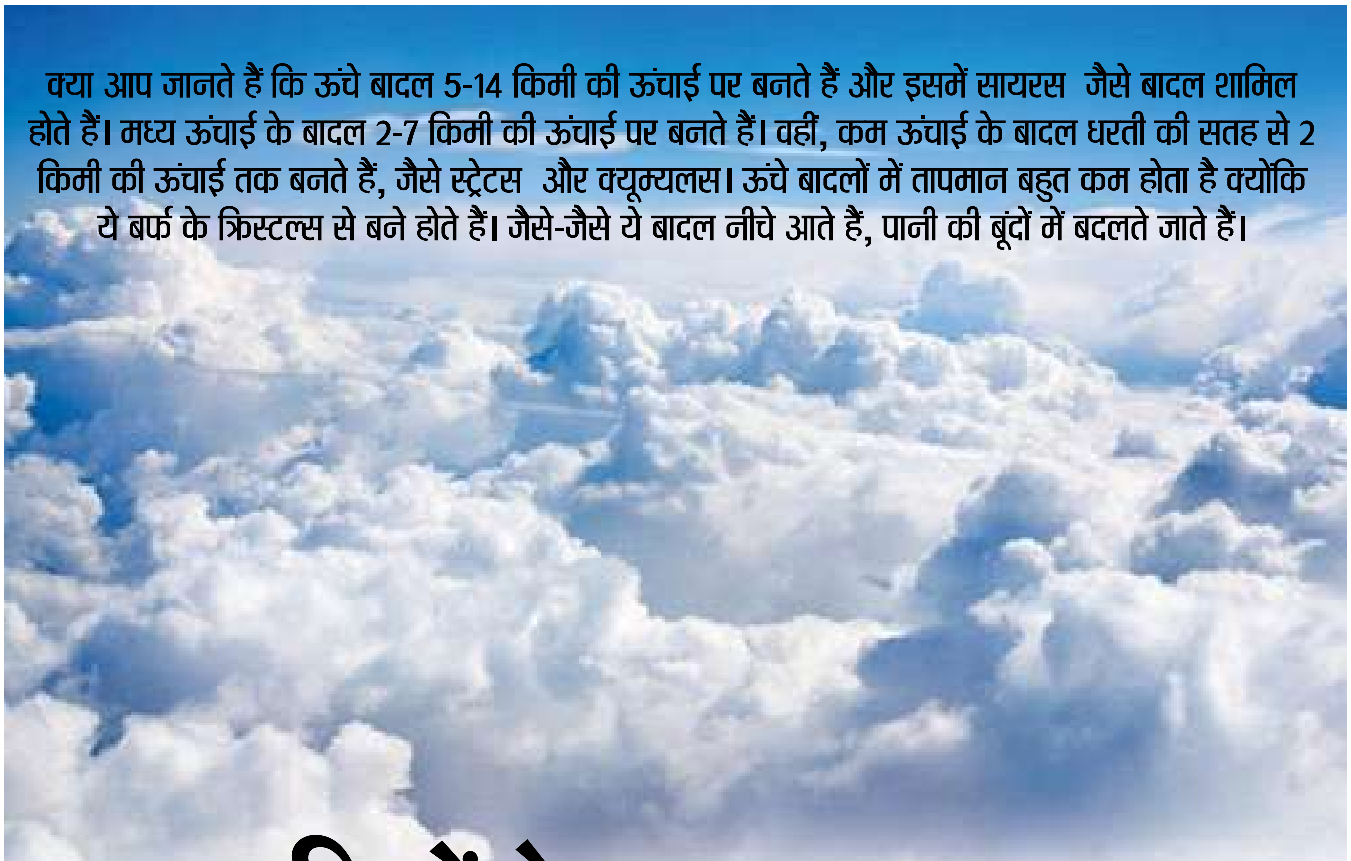

क्या आप जानते हैं कि ऊंचे बादल 5-14 किमी की ऊंचाई पर बनते हैं और इसमें सायरस जैसे बादल शामिल होते हैं। मध्य ऊंचाई के बादल 2-7 किमी की ऊंचाई पर बनते हैं। वहीं, कम ऊंचाई के बादल धरती की सतह से 2 किमी की ऊंचाई तक बनते हैं, जैसे स्ट्रेटस और क्यूम्यलस। ऊंचे बादलों में तापमान बहुत कम होता है क्योंकि ये बर्फ के क्रिस्टल्स से बने होते हैं। जैसे-जैसे ये बादल नीचे आते हैं, पानी की बूंदों में बदलते जाते हैं।

100 हाथियों के बराबर होता है रूई से हल्के दिखने वाले बादलों का वजन

क्या कभी आपका भी मन हुआ है कि बादलों के संग उड़ते फिरें। या रूई से हल्के, मुलायम, सफेद बादलों पर चढ़कर कहीं सैर पर निकल जाएं। खासकर हवाई जहाज़ के सफ़र में जब प्लेन बादलों के बीच से गुज़रता है, उस समय तो जानें कितने खयाल आते हैं। काश..खिड़की खोलकर इन बादलों पर कूद जाएं। या इन्हें एक बार छूकर ही देख लें। लेकिन अगर कोई बताएं कि इन सपनीले बादलों का वजन सौ हाथियों के बराबर होता है..तो क्या आप विश्वास करेंगे। बादल पानी की छोटी बूंदों या बर्फ़ के छोटे क्रिस्टल से बने होते हैं। इनमें मौजूद पानी की बूंदें और बर्फ़ के क्रिस्टल इतने छोटे होते हैं कि ज़मीन से सफ़ेद फुले हुए दिखाई देते हैं।बादल बनने की प्रक्रिया के बारे में तो ज़्यादातर लोगों ने पढ़ा ही है। धरती के पानी के भाप बनकर ऊपर उठने, ठंडी हवा में बदलने और छोटे-छोटे पानी के कणों में इकट्ठा होने का परिणाम हैं ये बादल। यह प्रक्रिया धरती के जल चक्र का हिस्सा है।

कितना होता है बादलों का वजन

बादलों का वजन बेहद दिलचस्प विषय है। आमतौर पर उनकी हल्की फूली आकृति हमें ये मानने पर मजबूर कर देती है कि बादल एकदम हल्के फुल्के होते होंगे। लेकिन वास्तविकता इससे बहुत अलग है। असल में बादलों का वजन बहुत अधिक होता है। औसतन, एक क्यूम्यलस प्रकार का बादल लगभग 1.1 मिलियन पाउंड (लगभग 450,000 किलोग्राम या 450 टन) वजन का होता है। इसे सरल शब्दों में समझें तो यह पृथ्वी पर लगभग 100 हाथियों या तीन विशालकाय ब्लू व्हेल के वजन के बराबर होता है। दिखने में हल्के लगने वाले इन बादलों का भारीपन उनकी अदृश्य भौतिक संरचना का प्रमाण है। वैज्ञानिक बादल के वजन का अनुमान लगाने के लिए उसके घनत्व और आकार का उपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए, एक साधारण क्यूम्यलस बादल में पानी की मात्रा लगभग 0.5 ग्राम प्रति घन मीटर होती है। यदि बादल 1 किलोमीटर लंबे, चौड़े, और ऊंचाई में हो, तो इसका कुल वजन 1.1 मिलियन पाउंड तक पहुंच सकता है। अब सवाल ये है कि बादलों के भारी होने के बावजूद वे आसमान में तैरते कैसे हैं। ये इसलिए संभव होता है क्योंकि गर्म हवा का प्रवाह और वायुमंडलीय दबाव बादलों को गिरने से रोकते हैं। इसके अलावा, जब बादलों में पानी की बूंदें आपस में मिलकर बड़ी हो जाती हैं तो वे आखिरकार बारिश या बर्फ के रूप में गिर जाती हैं।

क्यों हल्के नज़र आते हैं बादल

लौटते हैं बादलों के वजन पर। अगर बादल इतने भारी होते हैं तो हमें उनके हल्के होने का आभास क्यों होता है। ऐसा इसलिए है कि वो हमें आसमान में उड़ते नजर आते हैं। बादलों का घनत्व आसपास की हवा से कम होता है और वायुमंडलीय दबाव उन्हें सहारा देता है। बादलों का घनत्व हवा की तुलना में कम होने के कारण वे हवा से अधिक उत्प्लावन बल का अनुभव करते हैं। इसी कारण बादल अपने वज़न को संतुलित कर पाते हैं और आस-पास की हवा से दूर तक उड़ते रहते हैं। तो अगली बार जब भी आप आसमान की तरफ देखें और आपको बादल नज़र आएं तो याद करिएगा कि ये नर्म, मुलायम, सुंदर बादल असल में कितने भारी भरकम हैं।

क्या हैं क्यूम्यलस बादल

अब आपको क्यूम्यलस के बारे में बता दें। ये शब्द लैटिन भाषा से आया है, जिसका अर्थ है ढेर या संचित। बादल आमतौर पर सफेद, फूले हुए और किसी ढेर की तरह दिखते हैं। इनकी आकृति साफ-सुथरी और गोल, एक साथ ढेरी सारी होती है इसीलिए इनकी बनावट और संरचना के कारण इन्हें यह नाम दिया गया है। क्यूम्यलस बादल का आयतन करीब एक अरब घन मीटर होता है। अगर बादल के आयतन को पानी के घनत्व से गुणा किया जाए तो बादल का वज़न मिलता है। क्यूम्यलस बादलों के कई प्रकार होते हैं जैसे कि क्यूम्यलस ह्यूमिलिस, क्यूम्यलस मेडिओक्रिस, क्यूम्यलस कॉन्जेस्टस, क्यूम्यलस रेडिएटस, क्यूम्यलस विरगा, क्यूम्यलस पैनस, क्यूम्यलस आर्कस, क्यूम्यलस टुबा, क्यूम्यलस पाइलस और क्यूम्यलस वेलम। इन बादलों का वर्गीकरण उनकी ऊंचाई, घनत्व, बनावट और वातावरण में उनकी संरचना के आधार पर किया जाता है। हालांकि सारे बादलों को क्यूम्यलस नहीं कहा जाता है। इनके अलावा, बादल कई अन्य प्रकार के भी होते हैं जैसे कि स्ट्रेटोक्यूम्यलस, स्ट्रेटस, और क्यूम्यलोनिम्बस आदि।

यहां मौजूद है दुनिया की सबसे छोटी गली, गिनीज रिकॉर्ड में भी है शामिल

जब कभी भी हम गलियों का जिक्र करते हैं तो हमारे जहन में लंबी और घुमावदार सड़कों की तस्वीर सामने आती है जो हमारे गांवों और शहरों का एक अहम हिस्सा होती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया में एक ऐसी भी गली हो सकती है जो इतनी छोटी हो कि उसमें से गुजरना मानो एक झटके में हो जाए। जी हां, आज हम आपको एक ऐसे ही गली के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है और जो दुनिया की सबसे छोटी गली मानी जाती है।

लंबाई मात्र 2.06 मीटर

दुनिया की सबसे छोटी गली ब्रिटेन में है। एबेनेजर प्लेस नाम की यह गली स्कॉटलैंड के कैथनेस के वीक में स्थित है। यह गली अपनी अनोखी लंबाई के कारण गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है, इसकी कुल लंबाई केवल 2.06 मीटर है। एबेनेजर प्लेस का केवल एक ही पता है, जो मैकेज होटल के हिस्से के रूप में नंबर वन बिस्ट्रो है।

दुनिया की सबसे छोटी गली का इतिहास

इस गली का निर्माण 1883 में हुआ था और इसे आधिकारिक तौर पर 1887 में गली का दर्जा दिया गया। स्थानीय परिषद ने होटल के छोटे किनारे को एक नई गली के रूप में मान्यता दी और श्री सिंकलेयर को इसका नाम रखने का निर्देश दिया। आपको बता दें, यह गली न केवल अपनी छोटी लंबाई के लिए जानी जाती है, बल्कि अपने ऐतिहासिक महत्व की कारण भी आकर्षण का केंद्र है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया के अनगिनत अद्भुत और अनोखे रिकॉर्ड दर्ज किए जाते हैं जिसमें सबसे छोटी गली से लेकर सबसे बड़ी बिल्डिंग तक शामिल है। यह एक प्रतिष्ठित मंच है, जहां लोग अपने असाधारण कौशल उपलब्धियां या अनोखे कारनामों को दर्ज करवाने की कोशिश करते हैं। कई लोग इन रिकॉर्ड्स को तोड़ने और अपने नाम को अमर करने का प्रयास करते हैं, जिसमें कुछ सफल हो जाते हैं जबकि कई को असफलता का सामना भी करना पड़ता है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड आज भी लोगों के बीच एक बड़ा आकर्षण बना हुआ है।

आशुतोष ने शिखर धवन को समर्पित किया प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार

विशाखापत्तनम, एजेंसी। 66 रनों की शानदार नाबाद पारी के साथ लखनऊ सुपर जायंट्स पर दिल्ली कैपिटल्स को एक विकेट से रोमांचक जीत दिलाने के बाद, आशुतोष शर्मा ने अपना प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार अपने गुरु और भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को समर्पित किया। आशुतोष के लिए इस पल को और भी खास बनाने वाली बात थी धवन के साथ एक खास वीडियो कॉल, जिसका वीडियो दिल्ली कैपिटल्स ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया और वायरल हो गया। वह वास्तव में बहुत खुश थे। लव यू पाजी, आशुतोष ने डीसी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में कहा।

धवन और आशुतोष पिछले सीजन में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) में एक साथ खेले थे, इससे पहले कि पूर्व ने खेल से संन्यास की घोषणा की। धवन, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था, पंजाब किंग्स में उनके साथ रहने के दौरान आशुतोष के गुरु थे। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज, जो अपने नेतृत्व और संयम के लिए जाने जाते हैं, ने एक खिलाड़ी के रूप में आशुतोष के विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला।

पंजाब किंग्स सेटअप से परे उनकी मेंटरशिप का विस्तार हुआ, जिसमें धवन के सकारात्मक प्रभाव ने कई युवा क्रिकेटरों के करियर को आकार दिया। आशुतोष ने प्लेयर ऑफ द मैच चुने जाने के बाद कहा,पिछले साल से सबक लिया। पिछले सीजन में कुछ मौकों पर खेल खत्म करने से चूक गया। पूरे साल मैंने ध्यान केंद्रित किया और इसकी कल्पना की। मुझे विश्वास था कि अगर मैं आखिरी ओवर तक खेलता हूं, तो कुछ भी हो सकता है। विप्रज ने अच्छा खेला। मैंने उसे हिट करते रहने के लिए कहा। वह दबाव में बहुत शांत था। मैं यह पुरस्कार अपने गुरु शिखर पाजी को समर्पित करना चाहता हूं। डीसी के कप्तान अक्षर पटेल ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। एलएसजी के सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम और मिशेल मार्श ने पावरप्ले ओवरों में बेहतरीन प्रदर्शन किया, इससे पहले मिचेल स्टार्क के डैथ ओवरों में शानदार प्रदर्शन ने डीसी को एलएसजी को 209/8 पर रोकने में मदद की। 210 रनों का पीछा करते हुए, इम्पैक्ट सब्सटीट्यूट के तौर पर आए आशुतोष ने 31 गेंदों पर नाबाद 66 रनों की पारी खेलकर मैच का रुख बदल दिया और डीसी को आईपीएल इतिहास में सबसे सफल रन चेज तक पहुंचाया।

इस बीच, 20 वर्षीय विप्रज ने 15 गेंदों पर 39 रनों की पारी खेली, जिसने पारी को गति देने में अहम भूमिका निभाई।

इंपैक्ट प्लेयर नियम पर बोले महेंद्र सिंह धोनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी जब इम्पैक्ट प्लेयर नियम को पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लागू किया गया तो वह इसकी जरूरत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं थे लेकिन अब वह इसे टी20 क्रिकेट के विकास के एक हिस्से के रूप में देखते हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स का यह 43 वर्षीय करिश्माई क्रिकेटर हालांकि खुद को इंपैक्ट प्लेयर नहीं मानते हैं क्योंकि वह अब भी अपनी टीम के पहली पसंद के विकेटकीपर हैं। धोनी ने कहा, 'जब पहली बार यह नियम लागू किया गया तो मुझे लगा कि वास्तव में इसकी जरूरत नहीं है। कुछ हद तक इसने मेरी मदद की और नहीं भी की। मैं अभी विकेटकीपिंग कर रहा हूं इसलिए मैं इंपैक्ट प्लेयर नहीं हूं। मुझे इसके अनुसार ही आगे बढ़ना होगा। कई लोगों का कहना है कि इस नियम के कारण बड़े स्कोर बन रहे हैं लेकिन मेरा मानना है कि खिलाड़ियों की सहज होकर खेलने से ऐसा हो रहा है। इस नियम की भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा और स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों ने आलोचना की है। इन दोनों का मानना है कि इससे ऑलराउंडर प्रभावित हो रहे हैं क्योंकि टीम इंपैक्ट प्लेयर की भूमिका के लिए आक्रामक बल्लेबाजों को चुन रही हैं। धोनी ने कहा कि इस नियम से टीमों को कड़ी परिस्थितियों में एक अतिरिक्त बल्लेबाज रखने का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि एक अतिरिक्त बल्लेबाज रखने के कारण बड़े स्कोर बन रहे हैं। यह मानसिकता से जुड़ा है।

टीमों के पास अब एक अतिरिक्त बल्लेबाज की सुविधा है, इसलिए वे अधिक आक्रामक तरीके से खेलते हैं। ऐसा नहीं है कि सभी चार या पांच अतिरिक्त बल्लेबाजों का उपयोग किया जा रहा है, यह सिर्फ उस बल्लेबाज के होने से मिला आत्मविश्वास है। टी20 क्रिकेट इसी तरह विकसित हुआ है।

प्राथमिकता क्षेत्र के 50 हजार तक के ऋण पर अधिक शुल्क न वसूलें बैंक

आरबीआई ने जारी किए दिशा-निर्देश

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने साफ किया है कि बैंक विशेष रूप से प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) श्रेणी के तहत छोटी ऋण राशियों पर अत्यधिक शुल्क नहीं लगा सकते हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि 50,000 रुपये तक के प्राथमिकता क्षेत्र के ऋणों पर कोई सेवा शुल्क या निरीक्षण शुल्क नहीं लगाया जाएगा। बैंक के इस कदम का मकसद छोटे उधारकर्ताओं को अनावश्यक वित्तीय बोझ से बचाना और उचित ऋण प्रथाओं को सुनिश्चित करना है।

आरबीआई ने पीएसएल से जुड़े नए दिशा-निर्देश जारी किए

भारतीय रिजर्व बैंक ने प्राथमिकता क्षेत्र ऋण पर जारी नए मास्टर निर्देश में यह बात कही है। ये निर्देश 1 अप्रैल, 2025 से लागू होंगे। इन दिशा-निर्देशों में केंद्रीय बैंक ने यह भी स्पष्ट किया है कि बैंकों की ओर से गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से खरीदे गए सोने के आभूषणों के बदले लिए गए ऋणों को प्राथमिकता क्षेत्र ऋण श्रेणी के अंतर्गत नहीं माना जाएगा। इसका मतलब है कि बैंक ऐसे ऋणों को अपने पीएसएल लक्ष्यों के हिस्से के रूप में वर्गीकृत नहीं कर सकते। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्राथमिकता क्षेत्र के फंड उन क्षेत्रों की ओर निर्देशित हों जिन्हें वास्तव में वित्तीय सहायता की आवश्यकता है, जैसे कि छोटे व्यवसाय, कृषि और समाज के के कमजोर वर्ग। इसने कहा एनबीएफसी से बैंकों द्वारा खरीदे गए सोने के आभूषणों के बदले लिए गए ऋण प्राथमिकता क्षेत्र के दर्जे के लिए पात्र नहीं हैं।

RESERVE BANK OF INDIA

रिजर्व बैंक अधिक कठोर निगरानी प्रणाली शुरू करेगा

आरबीआई ने यह भी आश्वासन दिया है कि पहले के पीएसएल दिशा-निर्देशों (2020 ढांचे) के तहत वर्गीकृत सभी ऋण अपनी परिपक्वता तक प्राथमिकता क्षेत्र श्रेणी के पात्र बने रहेंगे। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि पीएसएल लक्ष्यों के साथ बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, आरबीआई अधिक कठोर निगरानी प्रणाली शुरू करेगा। बैंकों को अब तिमाही और वार्षिक आधार पर अपने प्राथमिकता क्षेत्र के ऋणों से जुड़ा विस्तृत डेटा देना होगा। आरबीआई ने यह भी पुष्टि की है कि विशिष्ट कोविड-19 राहत उपायों के तहत दिए गए बकाया ऋणों को प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के रूप में वर्गीकृत किया जाना जारी रहेगा। इस निर्णय का उद्देश्य उन क्षेत्रों का समर्थन करना है जो अभी भी महामारी के आर्थिक प्रभाव से उबर रहे हैं।

पहाड़ों पर होगी बारिश, मैदानी इलाकों में गर्मी बरपाएगी कहर

मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। जैसे-जैसे मार्च का महीना अपनी समाप्ति की ओर बढ़ रहा है, मौसम में गर्मी बढ़ती जा रही है। अभी भले ही देश के कुछ स्थानों पर बारिश और तेज हवाएं चलती दिख रही हैं, लेकिन 30 मार्च तक बारिश का नामोनिशान खत्म हो जाएगा।

मौसम विभाग ने भयंकर गर्मी का अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से आने वाले कुछ दिनों में पहाड़ों पर बारिश देखने को मिल सकती है। लेकिन मैदानी इलाकों और खासकर उत्तर प्रदेश में गर्मी का प्रकोप लोगों के पसीने निकालने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

कहीं बारिश, तो कहीं गिरे ओले

बीते 24 घंटे की बात करें, तो आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में भयंकर बारिश हुई। वहीं पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय और तेलंगाना में ओलावृष्टि देखने को मिली। इस दौरान ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में तेज हवाएं भी चलीं।

गुजरात के सुरेंद्रनगर में देश का सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान दर्ज किया गया, जो 41 डिग्री रहा। 24 मार्च को प्रायद्वीपीय भारत के ज्यादातर हिस्सों में मेघगर्जन के साथ-साथ वज्रपात की स्थिति रही।

दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय

इस वक्त दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हैं। पहला पश्चिमी विक्षोभ झारखंड और बिहार के ऊपर बना हुआ है, जबकि दूसरा पश्चिमी विक्षोभ कतर के पास सक्रिय है। इनके कारण पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 27 मार्च तक फिर से बारिश शुरू होने की संभावना है। प्रायद्वपीय भारत के कई स्थानों पर 25 मार्च को गरज के साथ 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। 26 और 27 मार्च को जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश और 28 मार्च को अरुणाचल प्रदेश के लिए भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।

गर्मी से निकलेगा दम

उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी स्थानों में कई जगहों पर अगले 2 दिनों के दौरान तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। हालांकि उत्तर प्रदेश में काफी गर्मी पड़ने वाली है। यहां अगले 4 दिनों में तापमान में 4 से 6 डिग्री की वृद्धि हो सकती है। पश्चिम भारत और पूर्वोत्तर भारत में भी अगले 4-5 दिमों में तापमान में 4 से 6 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। मध्य भारत और महाराष्ट्र में 4 से 5 दिनों में तापमान 2 से 4 डिग्री तक बढ़ सकता है। वहीं गुजरात में अगले 24 घंटे में तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा।

दिल्ली में ड्रैस-किताबें स्कूलों से लेने की बाध्यता होगी खत्म, रेखा गुप्ता सरकार का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने को लेकर अब स्कूलों की मनमानी नहीं चलेगी। दिल्ली सरकार आदेश जारी करने जा रही है, जिससे स्कूल या किसी विशेष विक्रेता से यूनिफॉर्म और किताबें खरीदने की अनिवार्यता नहीं थोपी जा सकेगी। सूत्रों की मानें तो स्कूल फिर भी ऐसा करते हैं तो वह दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आएगा। 1 अप्रैल से स्कूलों में शुरू होने वाले नए शिक्षण सत्र से पहले ही यह आदेश जारी कर दिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने ऐसी शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए यह आदेश जारी करने को कहा है। सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी है कि स्कूल तीन साल तक यूनिफॉर्म में बदलाव नहीं कर पाएंगे।

हेल्पलाइन नंबर-ईमेल आईडी जारी किए जाएंगे

विभाग से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि अभिभावकों को अपनी शिकायतें दर्ज कराने के लिए सरकार एक ई-मेल आईडी और हेल्पलाइन नंबर भी जारी करेगी। सरकार का कहना है कि यह कदम अभिभावकों पर वित्तीय दबाव को कम करने के लिए उठाया जा रहा है। आदेश में यह भी उल्लेख होगा कि स्कूलों को कम से कम पांच दुकानों के पते और संपर्क विवरण प्रदर्शित करने होंगे, जिससे अभिभावकों के पास विकल्प हों।

स्कूलों की स्थिति पर ऐक्शन रिपोर्ट तैयार करेगी दिल्ली सरकार : शिक्षा मंत्री

वहीं दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने सोमवार को विधानसभा को सूचित किया कि राजधानी में स्कूलों की खराब स्थिति पर एक ऐक्शन रिपोर्ट तैयार की जाएगी। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र में बोलते हुए मंत्री ने स्कूल के बुनियादी ढांचे के बारे में विभिन्न विधायकों द्वारा उठाई गई चिंताओं को संबोधित किया। गांधी नगर से पांच बार के भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली ने ब्रह्मपुरी मेन रोड पर एक स्कूल की खराब स्थिति को उजागर किया और कहा कि यमुनापार क्षेत्र के कई स्कूल इसी तरह की स्थिति में हैं। उन्होंने मंत्री से ऐसे स्कूलों का डिटेल प्रदान करने का आग्रह किया, जिस पर सूद ने आश्वासन दिया कि आवश्यक जानकारी एकत्र की जाएगी और सदन में प्रस्तुत की जाएगी। इसी तरह, भाजपा विधायक कुलवंत राणा ने साहेब हदरी में एक स्कूल की जीर्ण-शीर्ण स्थिति की ओर इशारा किया। उन्होंने पूछा, पिछली सरकार ने स्कूल का निर्माण किया था, लेकिन दो साल के भीतर इसकी छत गिर गई। इसके पीछे क्या कारण था और क्या इमारत का पुनर्निर्माण किया जाएगा प्रतिभा स्कूलों के बारे में चिंता जताते हुए विश्वास नगर से भाजपा विधायक ओपी शर्मा ने दावा किया कि 1993 से 1998 के बीच बने कई स्कूलों को पिछली सरकार ने बंद कर दिया था।

अदालत को ही धोखा दे रहे, पेंशन योजना लागू नहीं करने पर सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को लगाई फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पंजाब में 1996 की पेंशन लाभ योजना को लागू करने में पंजाब सरकार की निष्क्रियता पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की। जस्टिस अभय एस. ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि अगर राज्य सरकार इस योजना को लागू करने में विफल रही तो अदालत खुद लाभार्थियों को मौद्रिक लाभ प्रदान करेगी।

कोर्ट ने कहा कि कई मौकों पर आश्वासन देने के बावजूद पंजाब सरकार इस संबंध में कार्रवाई करने में विफल रही है। जस्टिस ओका ने नाराजगी जताते हुए कहा, राज्य को इसका जवाब देना चाहिए। हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि राज्य सरकारें अदालतों के साथ कैसा व्यवहार कर रही हैं।

1 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

अदालत ने कहा कि हम इस बात को दर्ज करेंगे कि राज्य के किसी भी अधिकारी पर भरोसा नहीं किया जा सकता। राज्य ने अदालत को धोखा दिया है। दलीलें सुनने के बाद अदालत ने पंजाब की ओर से पेश वकील को प्रदेश सरकार से निर्देश लेने का आदेश दिया और मामले की अगली सुनवाई एक अप्रैल तय की। शीर्ष अदालत ने इस वर्ष पांच मार्च को पंजाब के मुख्य सचिव को 1996 की पेंशन लाभ योजना को लागू करने में विफल रहने और इसे लागू करने की वचनबद्धता का उल्लंघन करने के लिए अवमानना नोटिस जारी किया था।

शीर्ष अदालत पंजाब प्राइवेटली मैनेज्ड एफिलिएटेड एंड पंजाब गवर्नमेंट एडेड कॉलेजेस पेंशनरी बेनिफिट्स स्कीम, 1996 को लागू नहीं करने को लेकर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

पुलिस ने हाईटेशंन विद्युत लाईन से तार चोरी करने वाले गिरोह के 07 आरोपियों को किया गिरफ्तार

पुलिस ने चोरी के 05 आरोपियों सहित चोरी का माल खरीदने वाले 02 आरोपियों को किया गिरफ्तार

खरगोन I पुलिस अधीक्षक खरगोन धर्मराज मीना द्वारा जिला खरगोन में हो रही चोरी एवं लूट की घटनाओं पर अंकुश लगाकर अज्ञात आरोपियों की पतारसी व शीघ्र से शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु निर्देश दिये गये थे। प्राप्त निर्देशों के परिपालन मे व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खरगोन मनोहर बारिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खरगोन (ग्रामीण) श्रीमति शकुंतला रुहल के मार्गदर्शन मे समस्त अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) एवं समस्त थाना प्रभारीयों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी तारतम्य मे थाना मण्डलेश्वर पर बिजली के तार चोरी करने वाले गिरोह के 05 आरोपी व चोरी का माल खरीदने वाले 02 आरोपी कुल 07 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कार्यवाही की गई है ।

घटना का संक्षिप्त विवरण

18 मार्च 025 को फरियादी म.प्र.पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड उप संभाग निमरानी ने थाना मण्डलेश्वर पर सूचना दी कि, सर्चिंग के दौरान टावर न. 176 से 177 व 167 से 168 पावर हाऊस गैण्ट्री जलुद से टावर क्र.182, 182 से 181 के टावर के कुल 16 कन्डक्टर (तार) जिनकी लम्बाई करीबन 1800 मीटर का ऊपर का एल्युमिनियम भाग कीमती करीबन 2,00,000/- रुपये का कोई अज्ञात व्यक्ति टावर से कन्डक्टर (तार) को काटकर नीचे गिराकर चुराकर ले गया है । प्राप्त सूचना के आधार पर अपराध क्रमांक 100/2025 धारा 305(E) BNS का कायम कर विवेचना में लिया गया । क्षेत्र मे हो रही चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक खरगोन धर्मराज मीना के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खरगोन मनोहर बारिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खरगोन (ग्रामीण) श्रीमति शकुंतला रुहल व एसडीओपी मण्डलेश्वर मनोहर गवली के मार्गदर्शन मे व थाना प्रभारी मण्डलेश्वर उप निरीक्षक दीपक यादव के नेतृत्व मे विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया व मामले के खुलासे हेतु लगाया गया । प्राप्त निर्देशों के परिपालन मे पुलिस टीम ने इस प्रकार की चोरी करने वाले गिरोह व वर्तमान मे सक्रिय गिरोह/क्षेत्र मे सक्रिय संदिग्धों की जानकारी प्राप्त की गई व संदिग्धों को चिन्हित कर मुखबिरों को लगाया गया। परिणामस्वरूप पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, करीब 7-8 लोग 04 मोटर सायकल से घटनास्थल पर जहां पुर्व में हाईटेशन लाईन के तार चोरी हुऐ थे बचे हुऐ तार चोरी करने आने वाले है । प्राप्त सूचना के आधार पर तत्काल कार्यवाही करते हुऐ पुलिस टीम के द्वारा घटनास्थल के आस पास एंबुश लगाया गया व संदिग्धों के आने का इंतजार किया गया । थोड़ी देर बाद पुलिस टीम को मुखबिर के बताए अनुसार 04 मोटर सायकलो पर 7-8 लोग आते दिखाई दिए जिन्हे पुलिस टीम ने घेराबंदी कर 05 व्यक्तियों को पकड़ा व 03 व्यक्ति मौके से भाग निकले पुलिस टीम ने मौके पर पकड़े 05 व्यक्तियों से उनका नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम शाहरूख, मयुर शाह, इरशाद, प्रवीण एवं शिवा होना बताया। पुलिस टीम ने पांचों आरोपियों की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 02 आरी, 02 प्लायर (चुगे), 01 कटर आदि औजार मिले पुलिस टीम के द्वारा मौके पर आने का पूछने पर कोई संतोषजनक उत्तर नहीं देने पर सघन पूछताछ की गई ।